__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date - Class- VI
Subject- Hindi Literature Page- 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

Answer Key

पाठ बोध

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

संक्षेप में

(क) श्रीलंका में लेखक 'कंडी' के सुंदर मंदिर में गए। वहाँ से चूरगलिया के पहाड़ पर गए और वहाँ से सीता-एलिया गए। वहाँ उन्होंने अशोक वाटिका देखी। पहाड़ से उतरते हुए उन्होंने रक्ताशोक के जंगल देखे। अंत में उन्होंने अनुराधपुर का स्तूप देखा जहाँ पर पीपल के पेड़ के नीचे बौद्धों की धार्मिक सभा हो रही थी।

(ख) श्री राहुल सांकृत्यायन का असली नाम दामोदर दास जी था। वह लेखक के मित्र थे और वह श्रीलंका में 'केलानिया' के एक महाविद्यालय में बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन कर रहे थे।

(ग) पहाड़ की राख की तह देखकर लेखक को रामायण में वर्णित अशोक वाटिका और हनुमान जी द्वारा लंका के जलाए जाने की बात याद आ गई।

विस्तार में –

(क) (क) श्रीलंका का महाबोधि वृक्ष अशोक के पुत्र महेंद्र द्वारा लगाया गया है।

(ख) यह 'गया' से लाई गई महाबोधि वृक्ष की एक शाखा है।

(ग) यहाँ पीपल के नीचे बौद्धों की धार्मिक सभा होती है।

(घ) यहाँ पर जो दीपक जल रहा है वह दो हज़ार

Scanned with CamScanner

__/__/__

Date -

Class - VI

Subject - Hindi Literature

Page - 2

Subject Teacher - Ms. Roma Rani

वर्षों से भी ज्यादा समय से जल रहा है।

(ख) अनुराधापुर में लेखक को आश्चर्य हुआ जब उन्होंने जाना कि वहाँ जो दीप जल रहा था वह भी महेंद्र का जलाया हुआ है। उस समय से आज तक वह दीप कभी बुझा नहीं। वह दीपक बाईस - तेईस सौ वर्षों से लगातार जलता आ रहा है।

(ग) नुरएलिया से सीताएलिया के रास्ते के बारे में पाठ में बताया गया है कि वहाँ चारों तरफ फैला हुआ रक्ताशोक का जंगल है। पहाड़ को काटकर जो सड़क बनाई गई थी उस पहाड़ की मिट्टी बिल्कुल राख जैसी थी। पहाड़ के ऊपर - नीचे पथरीली मिट्टी की तह थी और बीच में एक तह राख की थी।

Last page

Scanned with CamScanner